Tel.: 00 91 135 275 8564 (O)
00 91 135 275 4968 (R)
Fax : 00 91 135 2754213 & 2755386
E-mail: director@cswcrtiddn.org
pkmbellary@rediffmail.com

Dr. P.K. Mishra
Director

CENTRAL SOIL & WATER CONSERVATION
RESEARCH & TRAINING INSTITUTE
(Indian Council of Agricultural Research)
218, KAULAGARH ROAD, DEHRADUN-248 195, Uttarakhand

No. 842/4(42)/2012.Cdn
Dated: the 19 Jan., 2012

डा0 पी0 के0 मिश्रा, निदेशक, के0मृ0ज0सं0अनु0प्र0सं0, देहरादून द्वारा दि0 18 जनवरी 2012 को पदभार ग्रहण करते समय जारी संदेश ।

प्यारे मित्रों,

मुझे आपको और आपके परिवार को षएक खुशनुमा एवं आनंदमय नववर्ष 2012ष हेतु शुभकामनाएं सम्प्रेषित करने का अवसर प्राप्त हुआ है ।

संस्थान और इसके अनुसंधान केन्द्रों की उपलब्धियों के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हुए मुझे सुविख्यात मार्गदर्शकों के नेतृत्व में आपके पूर्णसमर्पित योगदान के विषय में जानकारी मिली । मैं शोध एवं विकास गतिविधियों को और आगे ले जाने के लिए आपसे उसी परंपरा एवं वैज्ञानिक सूझ–बूझ की आशा करता हूं ।

मृदा स्तर में सुधार के लिए मृदा एवं वर्षा जल संरक्षण गतिविधियां रीढ़ की हड्डी की तरह है तथा बारानी कृषि की विशेष परिस्थितियों के साथ मृदा गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार हेतु किए जा रहे सभी प्रकार के प्रयासों को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है । जलागम प्रबंध एवं रोजगार जनक कार्यक्रम इनकी कड़ी है ।

भा0कृ0अनु0प0 षकिसान प्रथमष के नारे के साथ आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर है । विस्तार संस्थाओं एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को सम्बद्ध करते हुए षक्रियान्वित शोधष और विज्ञान द्वारा सहभागी विकास के माध्यम से किसानों एवं वैज्ञानिकों के बीच सम्पर्क को और अधिक सुदृढ़ करने की आवयश्यकता है । हमारा मुख्य उद्देश्य संरक्षण प्रौद्योगिकियों की शक्तियों को प्रदर्शित करना, तथा उन्हे नवीन एवं उपयोगी उत्पादों के साथ उचित आकार देना है । इस प्रयत्न में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका है । एक संयुक्त एवं अनुशासित परिवार के रूप में कें0मृ0ज0सं0अनु0प्र0सं0 की प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के माध्यम से देश की उत्पादकता एवं कृषि उत्पादन बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण भूमिका है । हमारे सभी प्रयास एवं संसाधन, पर्यावरण को बिना हानि पहुंचाए उत्पादन वृद्धि के इस राष्ट्रीय प्रयास पर केन्द्रित होने चाहिए । अंततः, मृदा एवं जल संरक्षण को प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं आजीविका के मुद्दों हेतु जन साधारण का कार्यक्रम बनाना मुख्य लक्ष्य है ।

भा0कृ0अनु0प0 के मंचों को ध्यान में रखते हुए हमें जलवायु परिवर्तन, संरक्षण कृषि, विशुद्ध कृषि, प्रक्षेत्र यांत्रिकीकरण एवं उर्जा, जल, ई–विस्तार तथा कृषि ज्ञान प्रबंधन व कृषि के सामाजिक –आर्थिक आयामों के क्षेत्र में नये प्रयास करने होंगे । उच्चस्तर की प्रौद्योगिकी के साथ प्रारंभिक, अनुप्रयुक्त एवं नीतिपरक अनुसंधान इन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के चारों ओर केंन्द्रित होंगे ।

संस्थान की प्रशासनिक एवं वित्तीय संस्थाएं, परियोजनाओं और कार्मिकों के लाभार्थ किए जाने वाले कार्यों की सफलता की मुख्य धुरी है । मुझे विश्वास है कि प्रत्येक कार्मिक की आवश्यकता के अनुरूप कार्यालयिक रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए हम एक संवेदनशीन सशक्त एवं उच्च सकारात्मक प्रणाली विकसित करेंगें । हम सभी को अब बड़ी चुनौतियों एवं उच्च उत्तरदायित्वों के लिए तैयार रहना चाहिए । सही अर्थों में ष्टीम भावनाष प्रगति एवं टिकाऊपन का मूलमंत्र है । हमारी संयुक्त शक्ति ही संस्थान की शक्ति है । ध्यान रखें कि आपसी विश्वास एवं आदर, दृढ़निश्चय एवं सकारात्मक संवाद से सब कुछ संभव है ।

इस सम्मानित संस्थान (भा0कृ0अनु0प0 के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक) के निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण करते हुए, मैं, सभी कर्मियों से अपील करता हूं, कि एक मजबूत संस्थान के निर्माण के लिए एक साथ मिलकर आगे आएं तथा प्राप्तियों एवं सुखद परीणामों से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करें । पूर्णतः जिम्मेदार एवं समर्पित वैज्ञानिकों, तकनीकी, प्रशासनिक, वित्तीय एवं सहायक कर्मचारियों की इस संस्थान के नौ स्थानों पर स्थित टीम का एक भाग बनने पर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और मुझे आशा है कि हम सब मिल–जुल कर इस संस्थान को एक नई दिशा देंगे ।

मैं आप सभी के संतोषजनक व्यावसायिक भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रस्तुत करता हूं ।

आदरसहित,

आपका हितैषी,

प्रशान्त कुमार मिश्रा

प्रशान्त कुमार मिश्रा

परिचालन हेतु ।

कें0 मृ0 एवं ज0 सं0 अनु0 एवं प्र0 सं0 देहरादून और इसके अधीनस्थ केन्द्रों के सभी कर्मचारी ।